Code - 2986

एम.ए. हिन्दी सेमेस्टर -2

प्रश्नपत्र नं.-7

आधुनिक हिन्दी गद्य साहित्य

समय : ढाई घंटा APRIL-2017 कुल अंक : 70

प्रश्न :1 स-संदर्भ व्याख्या कीजिए | (किन्हीं दो) 14

1. किसी माने में नहीं | मैं इस घर में एक रबड़ - स्टैम्प भी नहीं, सिर्फ रबड़ का टुकड़ा हूँ बार-बार घिसा जाने वाला रबड़ का टुकड़ा |

2. तुम मालव हो और यह मागध, यही तुम्हारे मान का अवसान है न ? परन्तु आत्मसम्मान इतने ही से संतुष्ट नहीं होगा | मालव और मागध को भूलकर जब तुम आर्यावर्त का नाम लोगे, तभी वह मिलेगा |

3. सोचते-सोचते लगा कि इस देश की ही नहीं, पुरे विश्व की एक कौशल्या है ; जो हर बारिश में बिसूर रही है - "मोरे राम के भीजै मुकुटवा" |

4. सब पुराने अच्छे नहीं होते, सब नये खराब नहीं होते | भले लोग दोनों की जाँच कर लेते है, जो हितकर होता है, उसे ग्रहण करते हैं, और मूढ़ लोग दूसरों के इशारे पर भटकते हैं |

प्रश्न : 2 'चन्द्रगुप्त' नाटक के कथ्य एवं प्रतिपाद्य को स्पष्ट कीजिए | 14

अथवा

प्रश्न: 2 चाणक्य की चारित्रिक विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए |

प्रश्न : 3 मध्यवर्गीय जीवन के परिप्रेक्ष्य में 'आधे-अधूरे' की विवेचना कीजिए | 14

अथवा

प्रश्न : 3 'आधे-अधूरे' की नाट्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए |

प्रश्न : 4 'मेरे राम का मुकुट भीग रहा है' निबंध के शिल्प एवं संवेदना पर प्रकाश डालिए | 14

अथवा

प्रश्न : 4 निबंध के तत्वों के आधार पर 'उत्साह' निबंध की समीक्षा कीजिए |

प्रश्न: 5 'नाख़ून क्यों बढ़ते हैं' निबंध के विचार पक्ष पर प्रकाश डालते हुए प्रतिपाद्य को स्पष्ट कीजिए | 14

अथवा

प्रश्न: 5 'नाख़ून क्यों बढ़ते हैं' निबंध के संरचना शिल्प की विवेचना कीजिए |

www.mkbuonline.com